

राज

कॉमिक्स

मूल्य 15.00 संख्या 295

नागराज और दुष्टान- हृ

नया धमाकेदार कॉमिक्स

मुफ्त

नागराज का एक पोस्टर



नागराज और तूफान-जू

लेखकः संजय गुप्ता व तरुण कुमार वाही
संपादकः मनीष चंद्र गुप्ता एवं सुलीक स्टूडिओ

आतंकवाद का दुश्मन नागराज अफ्रीका के जंगलों से थोड़ांगा का समाप्त कर उड़ा चला जा रहा था चीन की तरफ —



CENTRAL EXTERNAL LIAISON DEPARTMENT (C.E.L.D.)

कमाण्डो वाज ! तुम सेन्ट्रल एक्स्ट्रालिंग डिपार्टमेंट * के नम्बर वन जासूस हो ! तुम्हें आज एक बहद जल्दी आपरेशन पर नियुक्त किया जा रहा है।

कहिए सर, मुझे क्या करना है ?

तुम्हें प्रधा लीफेंग के अपहरण करना है, जिस तुफान निकल चुका

* चाहना की सीक्रेट सर्विस।

विस्फोट हुआ था वाज के कानों में—

प्रधानमंत्री लीफेंग का अपहरण !
एकला तो नहीं हो गया कोया -
कोया रठीरोड़ !

कुछ भी है,
अब प्रधानमंत्री
की सुरक्षा तुम्हारे
हाथ में है।

मेरी जान
जाएगी सर तो
प्रधानमंत्री जी का उ
नहीं कर पाएंगे। यह
एजेंट कमाण्डो वाज कहे

ओर वाज उपने निषान पर निकाल पड़ा—

टकला मणान डेजेट डॉ 20000 रुपये. मी. में कैल्पे मणान का
रेगिस्तान में बना C.E.L.D. का अभेद्य किला —

प्रधानमंत्री जी ! आप बेफिक
रहें, वाज के रहते तुनिया की कोई
शक्ति आपका कुछ नहीं
बिगाढ़ सकती।

किन
तुफान



नागराज और तूफान-जू

किन्तु कठनी और करनी का फर्क तो मुकाबला होने पर ही पता चलना था।

किलेयर तैनात गार्डर्स की नजरें तूफान पर पड़ीं।

मूर्ख जानते नहीं कि तूफान पर गोलियां असर नहीं करतीं।



स्वूच्छार पटासरों की आवजें गन के कानों तक भी पहुंचीं—

भगता है
तूफान यहां पहुंच
गया है।

तूफान!
अब मैं
गया।

गन ने अपनी स्पेशल गन संभाली और—

आप मेरा हृतजार
करें, मैं अभी तूफान की
लाश लेकर यहां
आता हूं।



दोनों का जबरदस्त सामना हुआ—



गान ने संभलते ही तूफान पर काहर किया—

कमांडो गान ! मेरे रास्ते से हट जाओ । तुम्हें पता ही है कि आज तक तूफान कभी स्वाल्पी हाथ नहीं लौटा ।

नहीं तूफान,
शायद तुम्हें नहीं पता कि
गान भी कभी असफल
नहीं हुआ ।

ओै—

यह स्पेशल
गान स्पेशल तेरे
के लिए बन
तूफान

कहते ही गान ने अपनी स्पेशल गान झपट कर उठा ली ।

तूफान ने भी गर किया—

लेजर गान तो तुम्हें मिल
गई, किन्तु स्थात्मा तो तब होगा
ना जब गान रहेगी ।

उसने एक हैंडब्रेक तूफान की
तरफ उछाल दिया...।

शक्ति

... किन्तु तूफान पर इसके का
कोई असर नहीं हुआ ।

अगले ही क्षण—

किन्तु—

उफ ! हस्त

शशीर हतना तप के
रहा है ?

गान चाहकर भी उसके साथ
हो पाया ।

नागराज और तूफान-जू

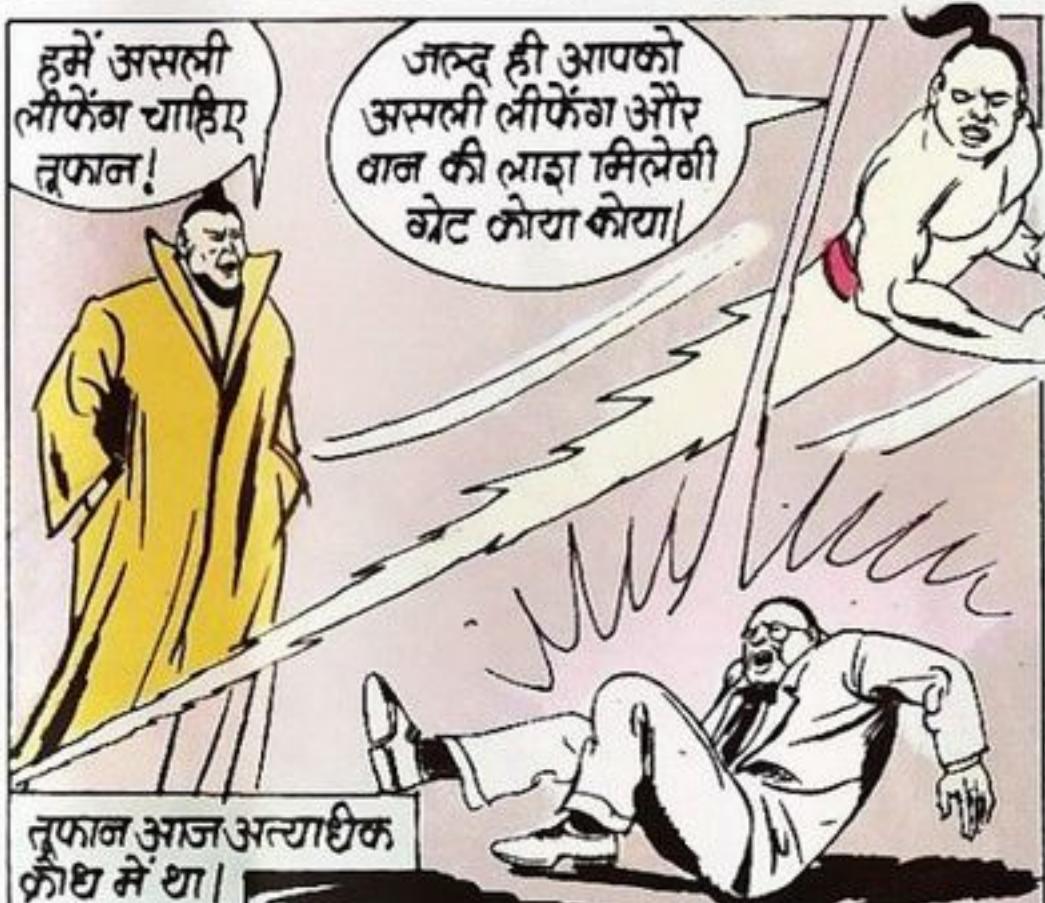
ओैर -



यहुंच गया प्रधानमंत्री लीफेंग के सामने —



तुंगातिंग झील के अन्दर बने कोया कोया हिन्तेची के ऊँझे पर —



कमांडो वाज बाहर आया, किन्तु यह क्या ?



लेकिन तभी—

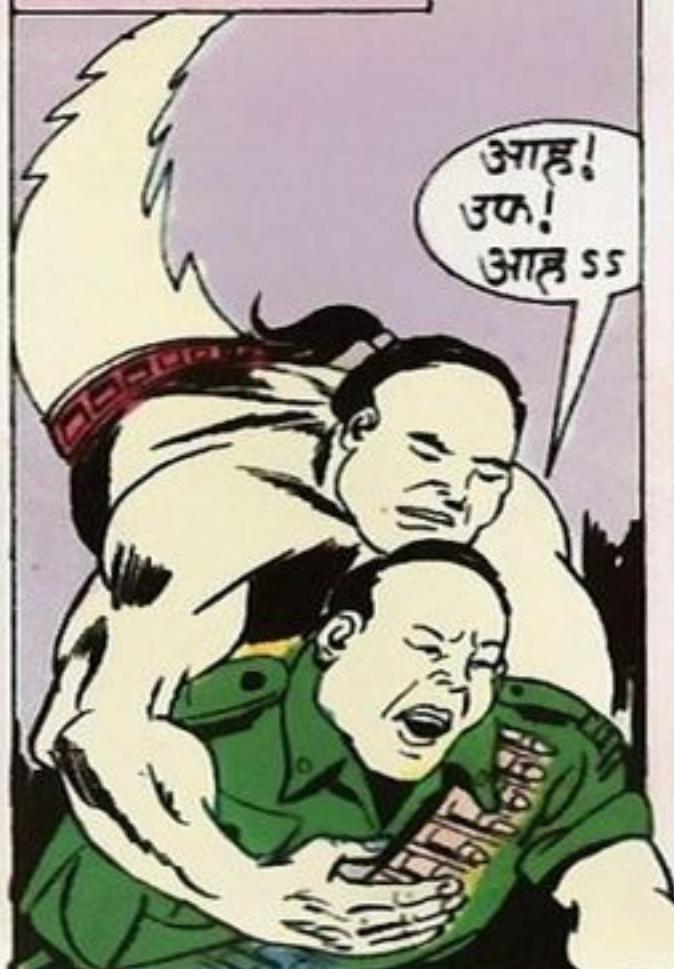
वाज !
तेरी मौत आ गई जो तूने तूफान को छोड़ा दिया । ०००



तूफान ने हमला किया —



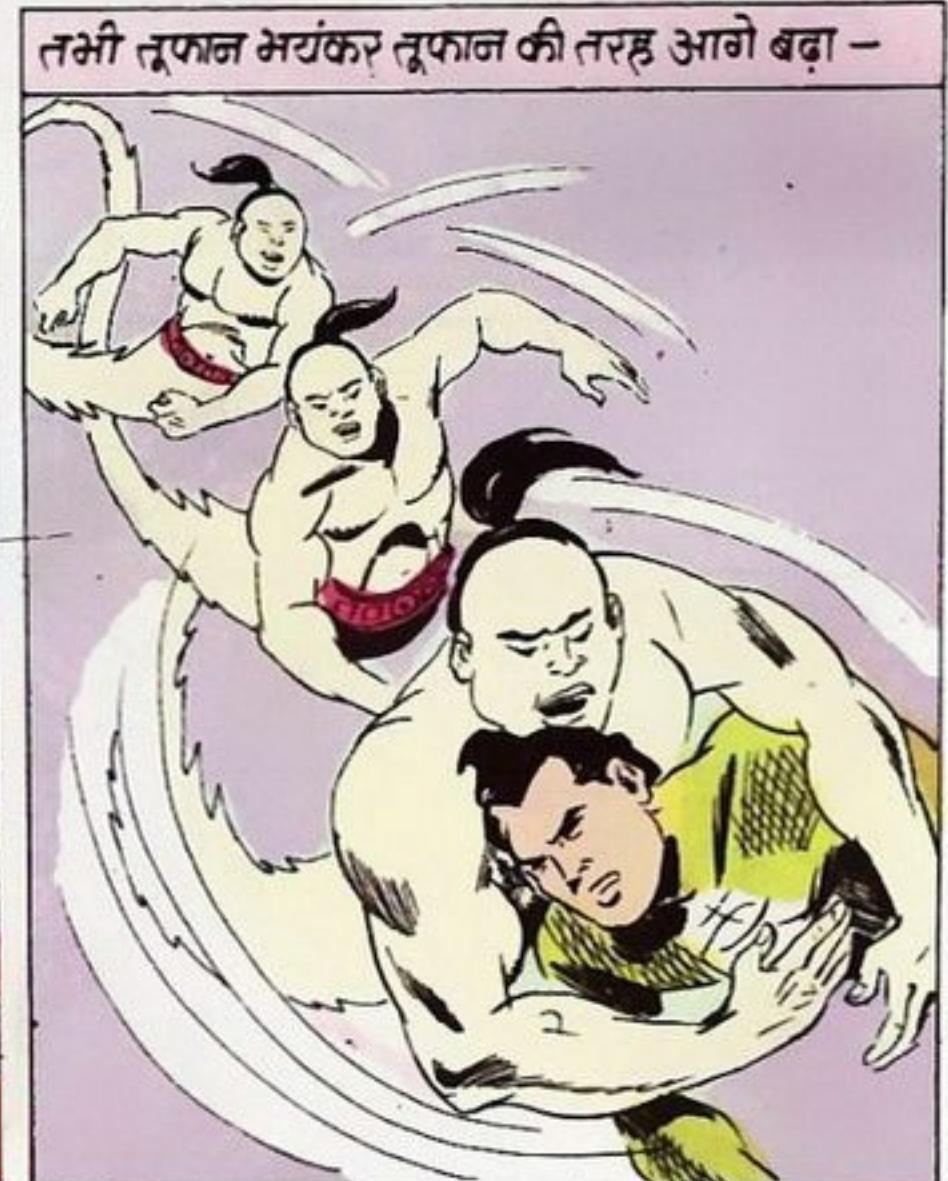
और वाज को जाकड़ लिया जिन्दा जा छोड़ने के लिए —

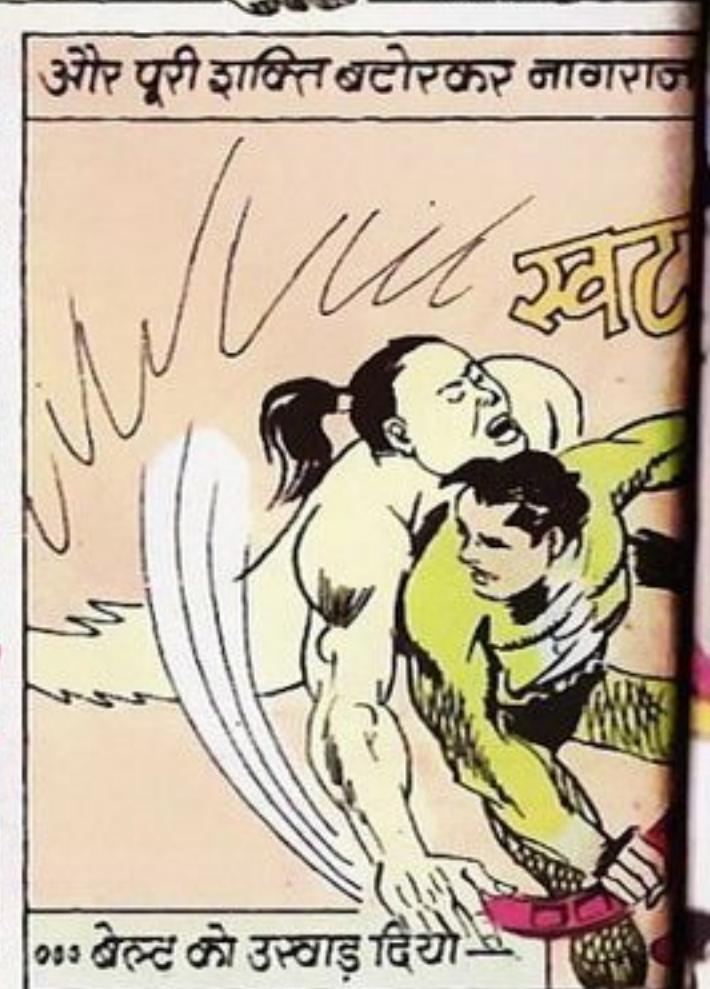


किन्तु तभी—



नागराज और तूफान-जू



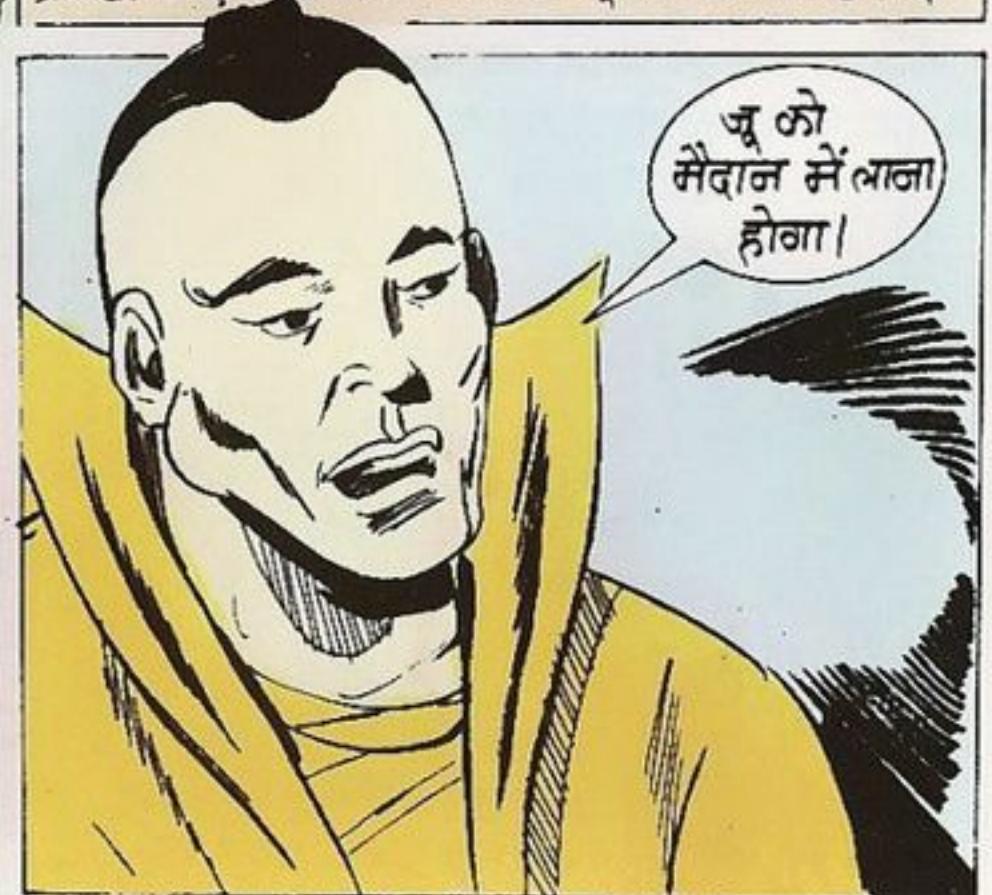


क्रोधि चरम सीमा पर था नागराज का—



क्रोधित भीड़ ने पत्थर मार-मारकर तूफान को मार डाला।

चीज पर बस्सों से हुक्मत कर रहे कोया-
कोया हितेचीं को पहली बार किसी ने इतना नागराज देखा था—



जांगाई ने एक गुप्त रिक्षा पर -



शाऊलिन जेल में जिसके अंदर पांच सौ कैदियों की जगह अब पांच सौ चुने हुए सैनिक कैदियों के बेश में उनकी सुरक्षा पर तैजात है। ०००



००० और नागराज! कोयाकोया को जब तूफान की मौत की छब्बर मिलेगी वह जूँ को हमारी छोज में लगाएगा। ०००



००० जूँ चीन की सबसे ताकतवर तोप है। उसकी मास्क शामिल असीमित है। ०००



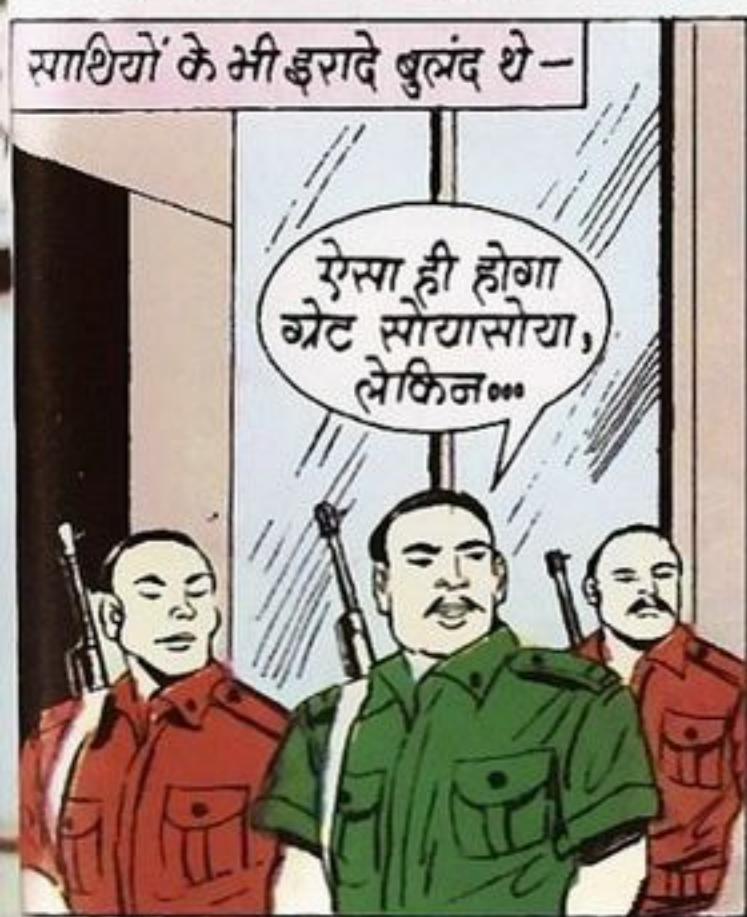
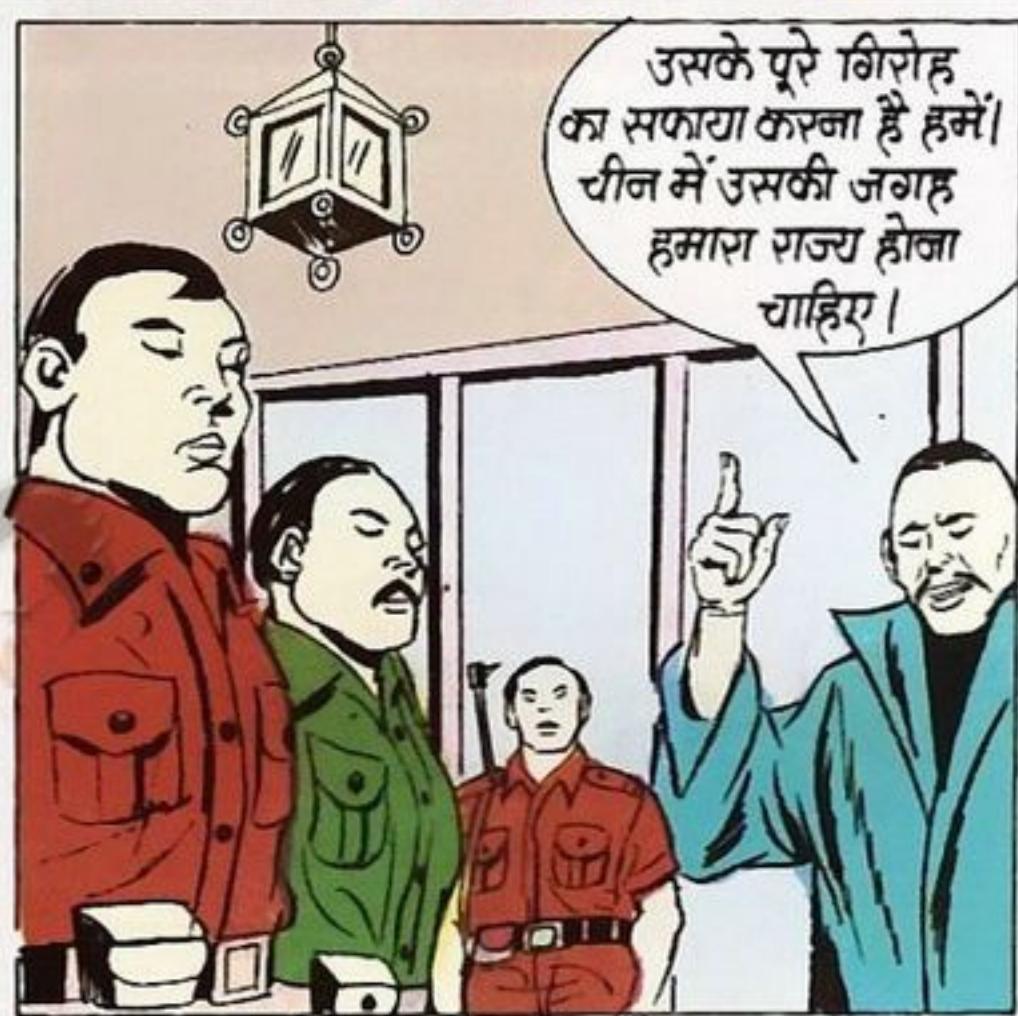
और ताज नागराज को जूँ के बारे में सब बताता चला गया।

००० मुझे डर है कि कहीं वह तुम्हें कोई नुकसान ना पहुंचा दे।



वाज! नागराज की करो। मेरा धब्ब-धब्ब के बीच गुजरा

नागराज और तूफान-जू



ठहाका लगाया सोयासोया ने —

जूँहा हा हा हा जहां
दफ्फन पहुंच गया
जागराज के हाथों रहीं
जूँभी पहुंच जाएगी।
हा हा हा

लेकिन—

तब सबकी आंसों में भय की परछाइयां दौड़ गईं—

जूँ!





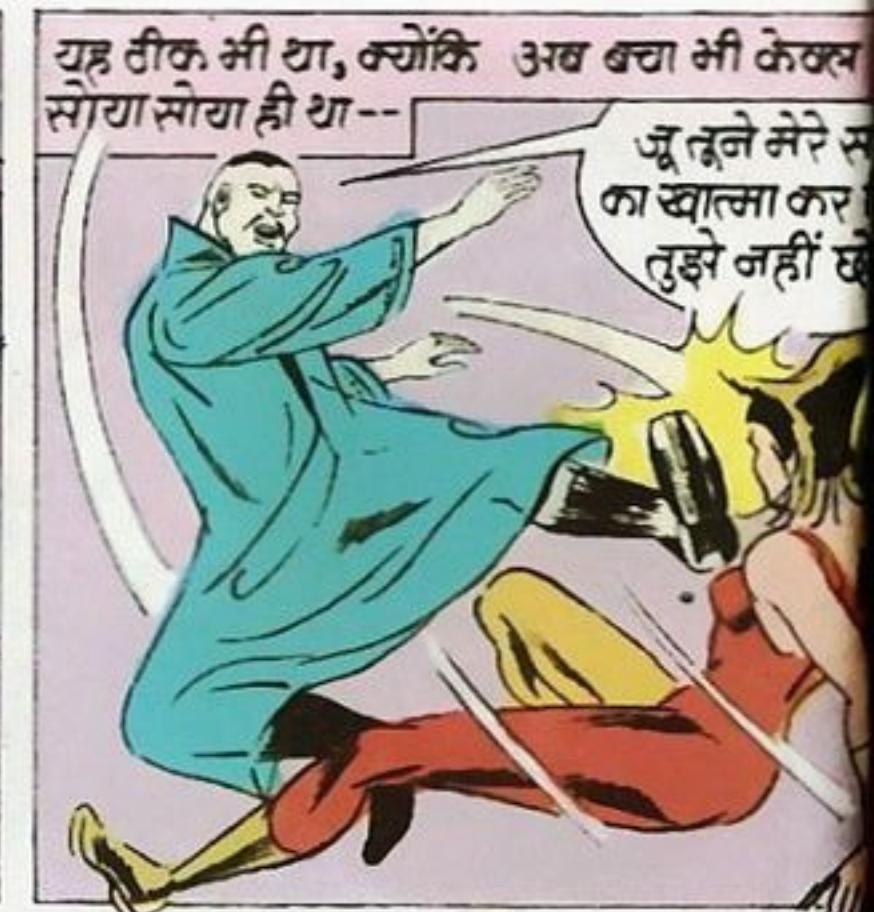
तांचिक शान्तियों की स्वामिनी जू अकेली ही उन सभी दरिंदों से टकरा गई—



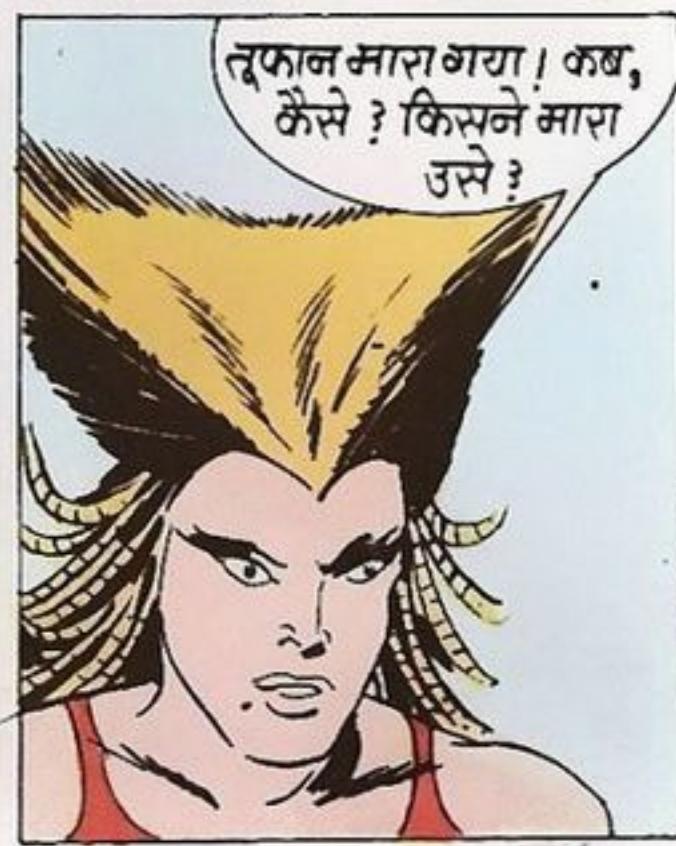
बाहर—

मैडम जू नंकहा था यह दूक यहीं खड़ा रखना है! अभी यह भाड़ों से भरा जाएगा।



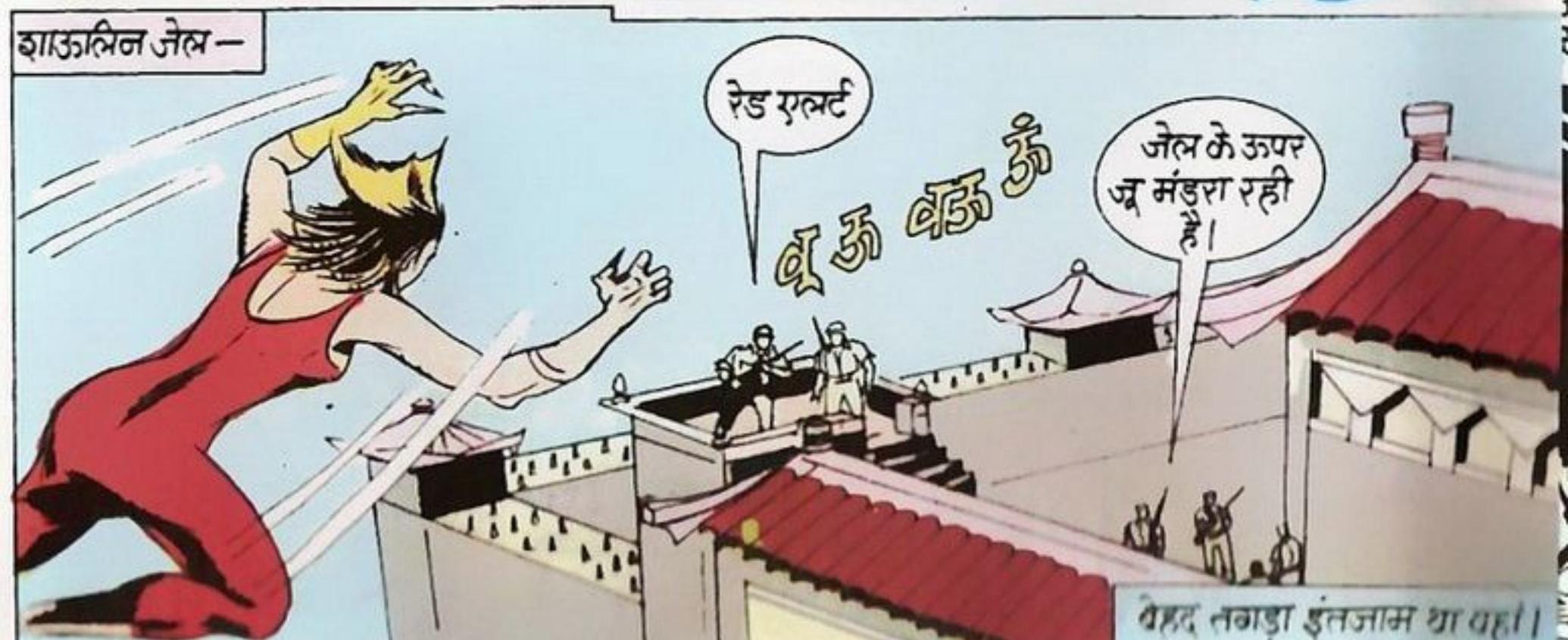


नागराज और तूफान-जू





शाऊलिन जेल -



जू बेच्छीफ गोलियों की बरसात में नीचे उतरने लगी—

कुम्हेटपूफ चमड़ी
वाले गोड़े! मुझे
अपनी शक्ति
दो।

जहरीले कंटों वाली
साही, मुझे अपनी
शक्ति दो।



झार्ह!

झार्ह!



अपने रास्ते की हर रुकावट को साफ करती अकेली जू पांच सौ
यैनिकों के बीच तहलका मचाती बढ़ी चली जा रही थी—

वानरराज! मुझे
अपनी फुर्तीदो।

गजराज!
मुझे अपनी
शक्ति दो।



किन्तु उसकी अगली किक किसी को हिला भी ना पाई
क्योंकि -

जागराज तुम
यहां ?

आओ जू ! स्वागत
है ।



जू को आश्चर्यका भयानक झटका लगा ।

और लगानागराज का दांव -

अब जरा बताजा,
कैसा लगता है छोट
लाकर ।



जू को पहली
बार किसीने धूप
चटाई है जागराज,
स्वाद उच्छा
लगा ।

फुर्तीले चीते, मुझे
अपनी तेजी दो ।



चीते की तेजी और -

जंगली मैंसे मुझे अपने सिर
की मजबूती दो ।

आह !



मैंसे की ताकत जे नागराज को भी मजा चखा दिया ।

नागराज और तूफान-जू

जितु नागराज के लिए यह बड़ी शत नहीं थी—

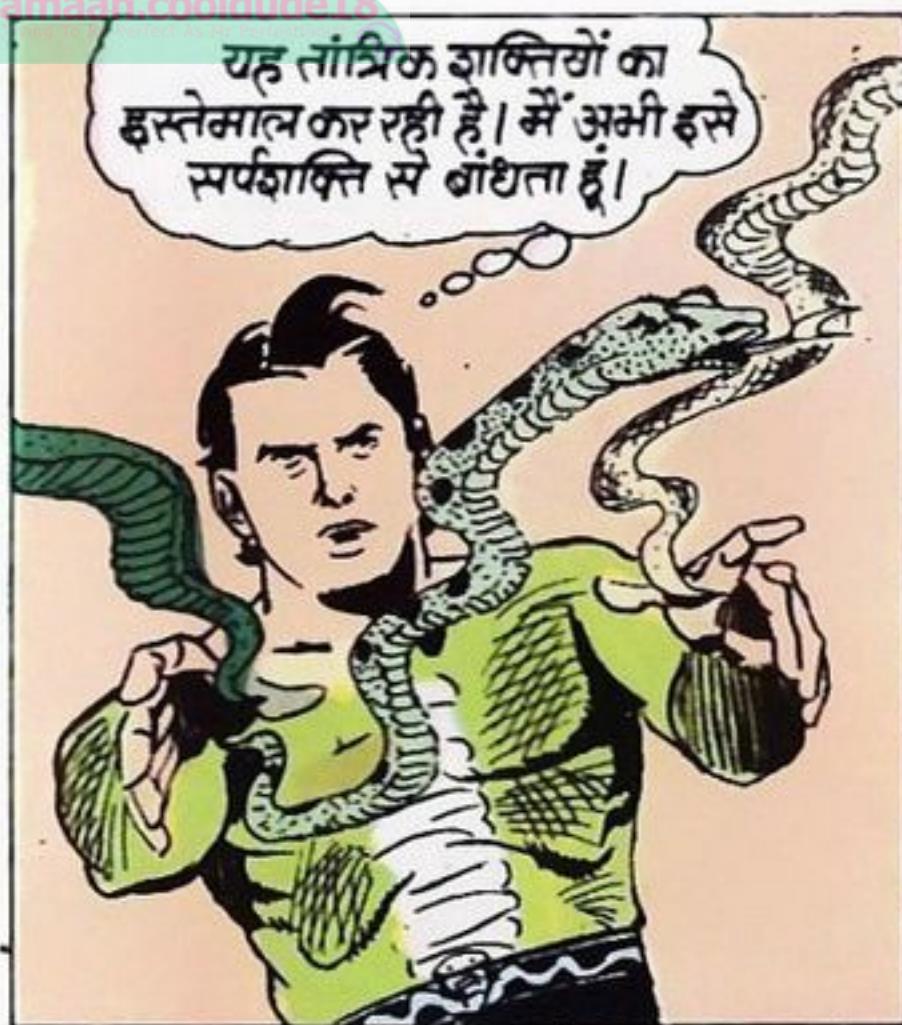


दोनों ही रुक-दूसरे की शानि अंक रहे हैं—



नागराज का जादू ढूटा।





नागराज और तुफान-जू



वाल! मैंने नागानंद और नागराज को प्रथानमंत्री की जेबों के अंदर भेज दिया था। ते दोनों हर मुसीबत से उनकी स्वता करेंगे और... ०००



००० उनसे मानसिक सम्पर्क बनाकर मैं कोयाकोया हितेची के अड्डे तक पहुंच जाऊंगा। व्यांगि मुझे विश्वास है कि जू प्रथानमंत्री जी को लेकर सीधे कोयाकोया के हैडफॉर्टर पर ही पहुंचेगी। ०००



००० मैंने पहले ही यह सब प्लान बना लिया था। और अब सब उसी के अनुसार हो रहा है।

जागराज!
यू आर
जीनियस!

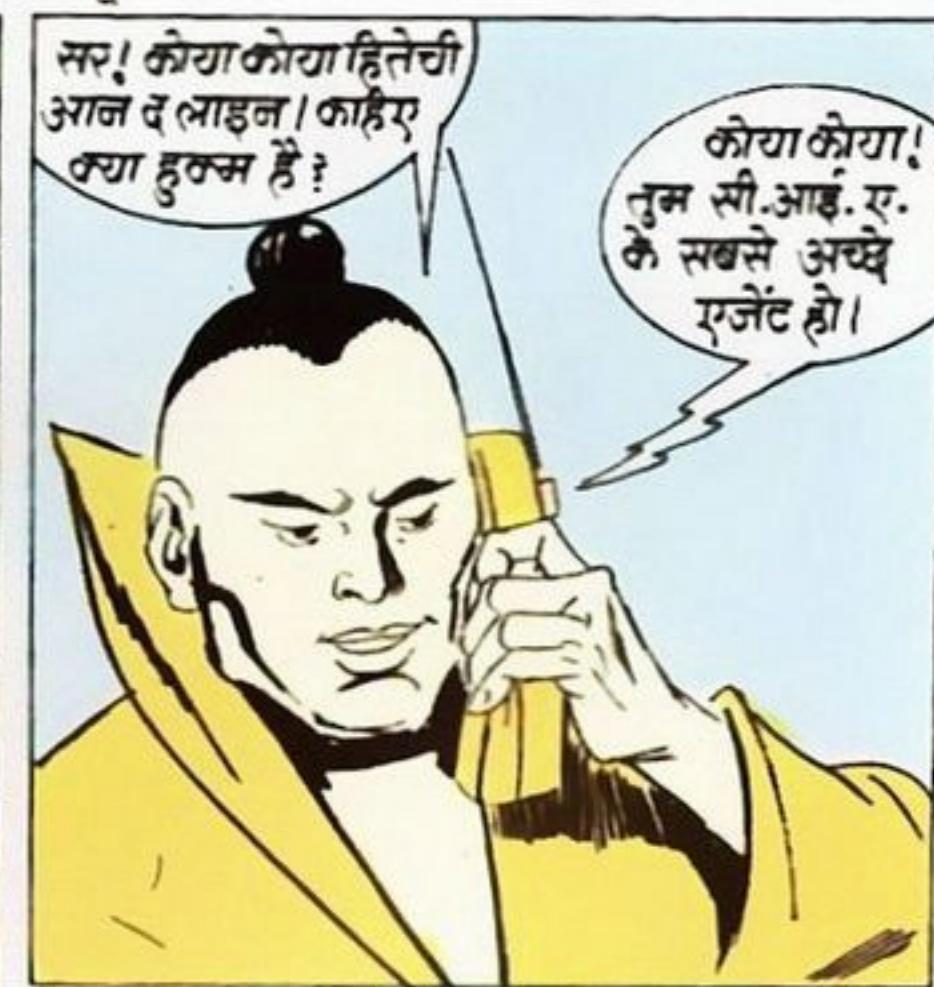


कुछ ही पलों बाद ते दोनों हेलीकॉप्टर पर सवार थे—



संदेश तो लगता है,
कहीं पास से ही आ रहे हैं। आसमान से क्यी...
अरे यह क्या?

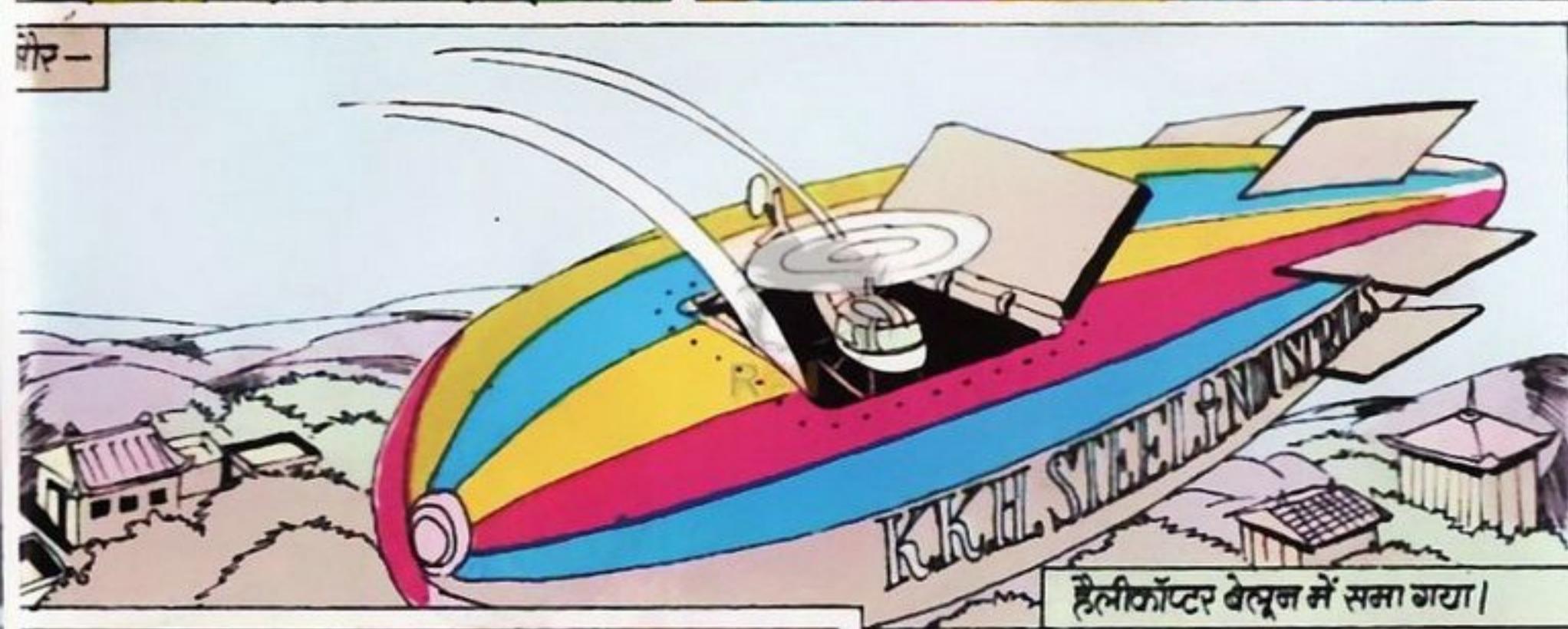




इथर नागराज को दिरवा था एक बैलून -



नागराज और तूफान-जू





किन्तु नागराज तुरन्त ही संभल गया—



नागराज और तूफान-जृ



जड़ी शक्ति के साथ जू नागराज की तरफ दौड़ी—



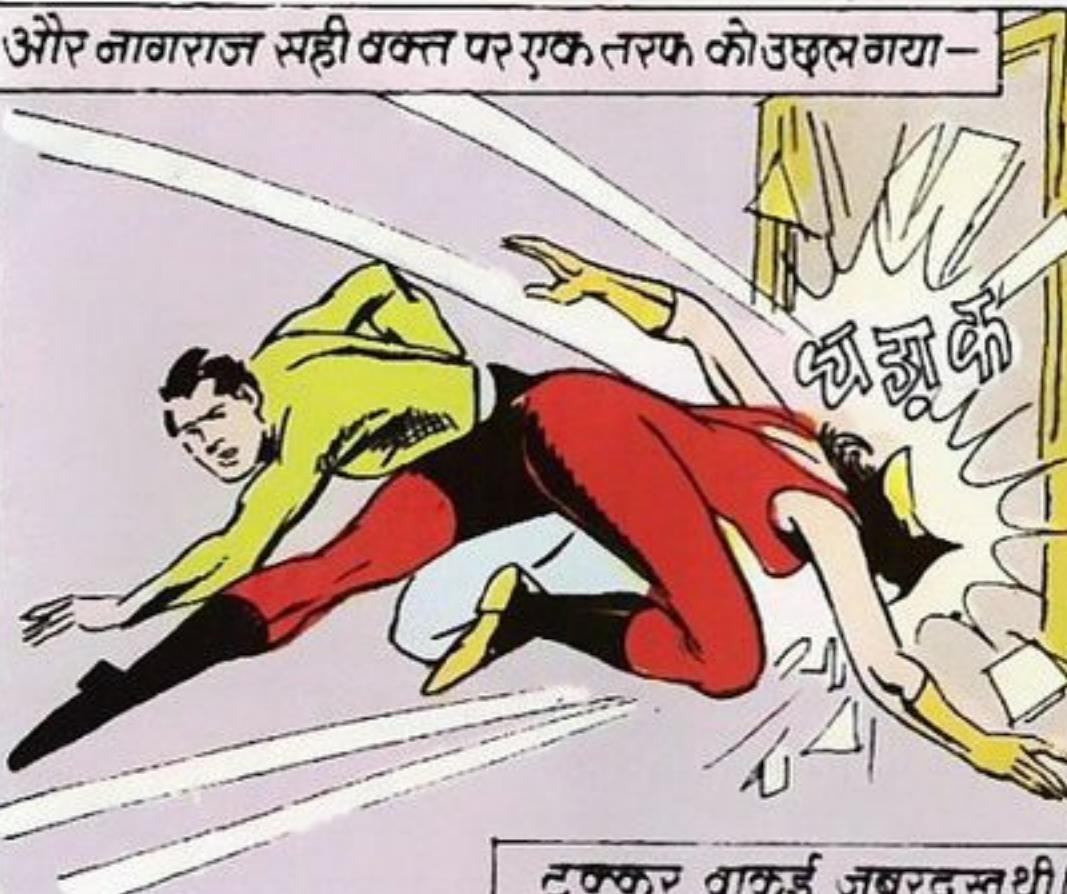
जू से टक्कर नागराज को भी महंगी पड़ रही थी—



सादुगात मौत बली वह नागराज की तरफ फिर दौड़ी उा रही थी—



और नागराज सही रक्त पर एक तरफ को उछल गया—



टक्कर राज्ड जबरदस्ती!

लेकिन स्वद जू भी वह टक्कर ना सह पाई—



किन्तु यही नागराज तेगलती की शायद ...

नागराज और तूफान-जू

००० उंगली पकड़कर पींचा पकड़ा था जूने—



मुझे
अपनी शक्ति दो
नागराज!



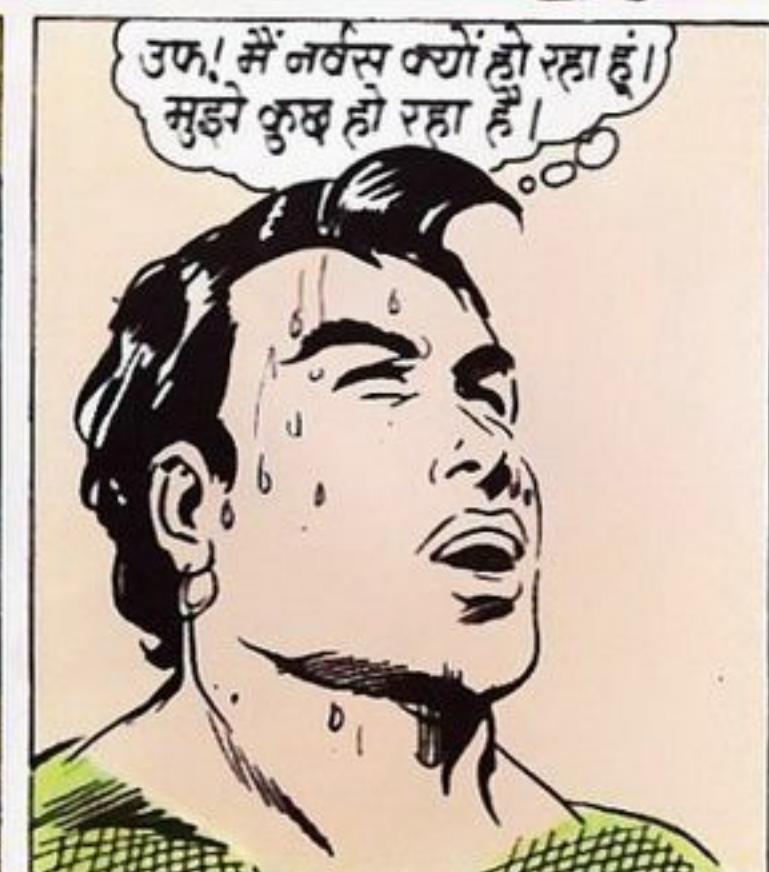
यह क्या
कर रही
है? ..



जू को तुम्हारी
सभी शक्तियां
चाहिए।



उफ! मैं नर्स्स क्यों हो रहा हूं।
मुझे कुछ हो रहा हूं।



GIVE UP

यह नागराज को क्या हो सका
है। अगर ००० अगर जू ने गर्भ
नागराज की शक्तियां लेलीं
तो। नहीं ०००

NO!

??

नागराज की आत्मशक्ति जवाब देने ही वाली थी कि...

राज कॉमिक्स

वाज तेजी से दौड़ा —

नागराज! होश में आजो
नागराज! तुम सरदियाँ जि-
-मान हो।



तभी कोयाकोया कहाथ हसकत मेंआया—



किन्तु फिर भी क्रस्नामा अंजाम दे दिया उसने —

NAGRAJ YOU ARE
NEEDED!

जहाँ

वाज!



नागराज! मुझे
सुब्बी है कि मैं तुम्हारी
बांहों में दम तोड़ रहा
हूँ। I LOVE
CHINA

वाज! तेरे हत्यारों
को बहुत बुरी मौत
मालूम नहीं सच।

अब नागराज को कौन रोक
सकता था—हत्यारिन
चुड़ैल।

जू की मौत अब निश्चित थी—

नागराज के मुँह से भयंकर विष फुफकार निकली—



नागराज और तूफान-जू

नागराज! अब ये सच्चाम
आ! तुम जहाँ हो वहीं नक जाओ।
जैसे-जैसे मैं कहूँ रैसे कहते
जाओ, उसना मैं लीकेंगा क्यों
दूट कर दूंगा।

जहाँ, ये सा मत करना! बोलो
कुछों क्या करना है?

कुछों पता है नागराज!
अब कुछों यहाँ से भागना
पड़ेगा, इसालिए फिलहाल तो
तुमसे लुटकास पाना जरूरी
हो गया है।



कुछ ही क्षणों में नागराजनंद, नागराजथरसर्प सेना ने उद्भुत ऐराइट बनाना शुरू कर दिया—



नागराजनंद व नागराजथरसर्प 'शूजीजंग' में भी दिल्ला चुके हैं यह कारनामा।

बहा भयानक क्षण था वह
जब आकाश में उड़ने वाला
धरती से टकराया—



फिर कोयाकोया हितेची के सभी अड्डों को नेस्तनाबूद कर दिया गया—



और चीन में नागराज का शानदार अभिनंदन हुआ—

मैं नागराज को 'ब्रेट
मैन' आफ चाहना चाहता
से सम्मानित करता
हूं।



और फिर नागराज ने चीन से भी विदा ली—



प्रिय मित्रो! 'काबूकी का खजाना' के लिए आपके बहुत से पत्र प्राप्त हुए। धन्यवाद, मैं आपके सुझावों की तरफ ध्यान दें रहा हूं। 'लाल मौत' में YBAK वाकई आदा गया था, अपनी यह भूल मुझे कुबूल है। नागराज की अगली चिन्तकथा का नाम है— 'नागराज और नगीना का जाल', आपके पत्रों के इन्तजार में, आपका प्रिय मित्र :- अंजय गुप्ता।
.. 1603, दृष्टि बांकला, दिल्ली - 110006